डी.एड. प्रथम वर्ष

क्र	विवरण	अंक
1.	**सैद्धांतिक परीक्षा कुल प्रश्न पत्र .6**	
	प्रत्येक प्रश्नपत्र के अंक 80 – (6 X 80)	**480 अंक**
	प्रत्येक प्रश्न पत्र में सत्रीय कार्य अंक 20 (6 X 20)	**120 अंक**
		600 अंक
2.	**व्यावहारिक, मूल्यांकन –**	
	1.1.शालेय कार्य पर चिंतन एवं मनन	**150 अंक**
	1.2 प्रोजेक्ट कार्य – (प्रति विषय एक प्रोजेक्ट)	**150 अंक**
	कुल	***300 अंक***
महायोग		**900 अंक**

2. सैद्धांतिक परीक्षा

डी.एड.प्रथम वर्ष

प्रश्न पत्र क्रमांक	विषय का नाम	आंतरिक मूल्यांकन	न्यूनतम उत्तीर्णांक	सैद्धांतिक परीक्षा	न्यूनतम उत्तीर्णांक	योग	विशेष
पहला	ज्ञान,शिक्षाक्रम और शिक्षण शास्त्र	20	10	80	40	100	सैद्धांतिक व व्यावहारिक परीक्षा में पृथक–पृथक उत्तीर्ण होने के लिए प्रत्येक में न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा।
दूसरा	बाल विकास और सीखना	20	10	80	40	100	
तीसरा	शाला व समुदाय	20	10	80	40	100	
चौथा	कला व कला शिक्षण	20	10	80	40	100	
पांचवां	गणित व गणित शिक्षण	20	10	80	40	100	
छठवां	भाषा व भाषा शिक्षण	20	10	80	40	100	
योग		**120**	**60**	**480**	**240**	**600**	

परीक्षा में श्रेणियां निम्नांकित आधार पर दी जाएंगी–

1. **व्यावहारिक परीक्षा:** विशेष योग्यता – 80 प्रतिशत या उससे अधिक।
   प्रथम श्रेणी – 70 तथा 70 प्रतिशत से अधिक ।
   द्वितीय श्रेणी – 50 तथा 50 प्रतिशत से अधिक तथा 70 से कम।

2. सैद्धांतिक परीक्षा : विशेष योग्यता – 80 प्रतिशत या उससे अधिक।
   प्रथम श्रेणी – 70 तथा 70 प्रतिशत से अधिक ।
   द्वितीय श्रेणी – 50 तथा 50 प्रतिशत से अधिक तथा 70 से कम।

सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक विषयों में अनुत्तीर्ण होने की दशा में –

1. सैद्धांतिक परीक्षा के भाग का महायोग 50 प्रतिशत से कम होने पर प्रशिक्षणार्थी को उन सभी प्रश्न पत्रों में जिनमें प्राप्तांक 50 प्रतिशत से कम होंगे पुनः परीक्षा देनी होगी। पुनः उत्तीर्ण होने के लिए प्रत्येक विषय में 50 प्रतिशत अंक पृथक–पृथक प्राप्त करना अनिवार्य होगा।

व्यावहारिक मूल्यांकन में अनुत्तीर्ण होने की दशा में–

1. यदि कोई प्रशिक्षणार्थी प्रथम वर्ष के प्रथम अवसर के व्यावहारिक मूल्यांकन में उत्तीर्ण भी होता है तो उसे द्वितीय अवसर में पुनः व्यावहारिक मूल्यांकन की प्रक्रिया में सम्मिलित होना पड़ेगा।

परीक्षा योजना

प्रश्न के स्वरूप (सैद्धांतिक परीक्षा)
पूर्णांक – 80 समय –3 घण्टा

खण्ड	विवरण	पूछे जाने वाले प्रश्नों की संख्या	हल किए जाने वाले प्रश्नों की संख्या	कुल शब्दों में	अंक	कुल अंक
अ	तर्क /कारण से संबंधित प्रश्न	8	6	कम से कम 50 शब्दों में	3	18
ब	समझ से संबंधित प्रश्न	10	6	कम से कम 150 शब्दों में	5	30
स	विश्लेषणात्मक प्रश्न	7	4	कम से कम 250 शब्दों में	8	32
योग		**25**	**16**		**16**	**80**

1. **व्यावहारिक मूल्यांकन** – व्यवहारिक मूल्यांकन तीन समूहों में विभक्त किया गया है तथा सम्पूर्ण व्यवहारिक मूल्यांकन आंतरिक होगा –

क्र.	विषय	अंक	आंतरिक / बाह्य मूल्यांकन
1.	**प्रधान अध्यापक द्वारा मूल्यांकन** :– 60 दिवसीय कार्यक्रम, प्रशिक्षु शिक्षकों के व्यवहार तथा प्रशिक्षु शिक्षकों के 60 दिवसों के कार्यों के आधार पर संस्था के प्रधानाध्यापक द्वारा मूल्यांकन पत्रक 1 में दी गई प्रधानाध्यापक की टीप के आधार पर संस्था की मूल्यांकन समिती द्वारा। प्रशिक्षु शिक्षक के स्वयं प्रधनाध्यापक होने पर स्वयं ही इस प्रपत्र को भरकर केन्द्र में जमा किया जावेगा।	50	आंतरिक मूल्यांकन
2.	**अध्ययन केन्द्र पर्यवेक्षक द्वारा मूल्यांकन** – प्रशिक्षु शिक्षकों के द्वारा इस दौरान मेंटर के साथ सलाह मशविरा अनुरूप किए गए गए कार्य। 60 दिनों के शिक्षण कार्य तथा बच्चों के साथ अंतः क्रिया के आधार पर। इसका मूल्यांकन प्रत्रक 2 के अनुसार अध्ययन केन्द्र के पर्यवेक्षक / मेंटर द्वारा किया जावेगा।	50	आंतरिक मूल्यांकन

3	**अध्ययन केन्द्र पर मूल्यांकन** :– प्रशिक्षार्थियों द्वारा शालेय कार्य पर चिंतन एवं मनन कार्यक्रम में किए गए कार्यों का प्रस्तुतीकरण। शाला में किए गए शिक्षणकार्य, अवलोकन कार्य, अध्याापन कार्य, खेलकूद संचालन, मध्यान्ह भोजन, समुदाय के साथ कार्य तथा प्रशिक्षार्थी द्वारा निर्मित दैनिक शिक्षण योजना व क्रियान्वयन डायरी पर चर्चा एवं सत्र भर प्रशिक्षु शिक्षक द्वारा किए कार्यों के प्रस्तुतीकरण के आधार पर अध्ययन केन्द्र में निर्मित समिती द्वारा मूल्यांकन पत्रक 3 में वर्णित बिन्दुओं पर आधारित होगा। खण्ड अ के क्र. 1, 2, व 3 पर आधारित मौखिक परीक्षा	50	आंतरिक मूल्यांकन
		150	

मूल्यांकन कैसे करेंगे?

A प्रधान अध्यापक/प्रभारी शिक्षक किन–किन बिन्दुओं पर आकलन करेंगे–

1. अध्यापन कार्य
    - कक्षा में छात्रों की भागीदारी,
    - कितने प्रतिशत बच्चे कक्षा में सीखने सिखाने की प्रक्रिया में पूरी तरह शामिल थे ?
    - भाषा का प्रयोग
    - विषयवस्तु के बारे में शिक्षक की समझ
    - विषयवस्तु सीखने–सिखाने का तरीका
    - बच्चों से बातचीत का तरीका
    - छात्रों को फीड बैक देने का तरीका
    - प्रशिक्षु शिक्षक का कक्षा संचालन
    - उपलब्ध सामग्री का अध्यापन में प्रयोग कितना उपयुक्त है ?
    - कक्षा प्रबंधन (बैठक व्यवस्था) पाठ के अनुकूल है या नहीं ?
    - बच्चों को अध्यापन में मजा आ रहा है, या नहीं ?
    - शिक्षण विधि बच्चों के स्तर के अनुरूप थी या नहीं?
    - प्रशिक्षु शिक्षक की कक्षा में स्थानीय परिवेश और भाषा का प्रयोग हो रहा था या नहीं?
2. नियमितता
3. पूर्व तैयारी
4. तारतम्यतता/क्रमबद्धता
5. स्वच्छता में योगदान (परिसर, कक्षों, विद्यार्थियों आदि की)
6. प्रशिक्षु शिक्षक का समुदाय व पालकों से संबंध।
7. अनुपस्थित बच्चों को पुनः शाला में लाने में उनके प्रयास।
8. बच्चों के साथ खेलकूद संस्कृति/साहित्यक व अन्य गतिविधियों में भागीदारी।
9. बच्चों के गृहकार्य एवं कक्षाकार्य की (नोट बुक या कॉपियों की) नियमित जाँच।

मूल्यांकन पत्रक –1

प्रधानाध्यापक/शिक्षक द्वारा प्रशिक्षु शिक्षक का समग्र मूल्यांकन पत्रक

क्र.	मूल्यांकन के बिन्दु	ग्रेड	प्रधानाध्यापक की संक्षिप्त टीप, (ग्रेड देने का कारण)
1	प्रशिक्षु शिक्षक का शाला–कक्षा में समय पर एवं नियमित उपस्थिति		
2	शिक्षण योजना की पूर्व तैयारी तथा उसमें आवश्यकतानुसार परिवर्तन		
3	शिक्षण विधि तथा गतिविधियों का चुनाव–पूर्व दिवस के साथ तारतम्यता एवं क्रमबद्धता		
4	शिक्षण सामग्री का उपयोग		
5	कक्षा में बच्चों की भागीदारी बच्चों के साथ खेलकूद व सांस्कृतिक साहित्यक गतिविधियों में भागीदारी		
6	स्वच्छता; शाला वातावरण एवं कक्षा के वातावरण में योगदान		
7	प्रशिक्षु शिक्षक का समुदाय से सम्बंध		
8	शाला में अनुपस्थित – अनियमित बच्चों को नियमित करने में प्रशिक्षु शिक्षक का प्रयास		
9.	कक्षा प्रबंधन विशेषकर बैठक व्यवस्था का कार्य के अनुरूप होना		
10	बच्चों के गृहकार्य एवं कक्षा कार्य की नियमित जाँच		
संचयी ग्रेड			

हस्ताक्षर प्रधान अध्यापक

टीपः– प्रत्येक क्षेत्र के लिए अधिकतम 5 अंक निर्धारित हैं। प्रधान पाठक/शिक्षक, प्रशिक्षु शिक्षक के समग्र क्रियाकलापों को देखकर इन क्षेत्रों में 1 से लेकर अधिकतम 5 अंकों के आधार पर क्रमशः A,B,C,D, एवं E ग्रेड प्रदान कर मूल्यांकन करेंगे।

प्रधान अध्यापक द्वारा यह ग्रेड प्रशिक्षु शिक्षक के सम्पूर्ण शालेय कार्य पर चिंतन एवं मनन कार्यक्रम के दौरान किए गए कार्यों के आधार पर किया जावेगा।

B) अध्ययन केन्द्र के शिक्षक प्रशिक्षक/पर्यवेक्षक द्वारा मूल्यांकन 50 अंक हेतु –

अध्ययन केन्द्र के शिक्षक प्रशिक्षक/पर्यवेक्षक द्वारा प्रशिक्षु शिक्षक के क्रियाकलापों का मूल्यांकन निम्न क्षेत्रों को ध्यान में रखकर किया जाएगा –

मूल्यांकन पत्रक –2

प्रशिक्षु शिक्षक का नाम : .....

क्र.	**मूल्यांकन के बिन्दु**	**अंक**	**प्राप्तांक**	**विशेष टीप**
1	प्रशिक्षु शिक्षक द्वारा प्रस्तुत किए प्रतिवेदन की रिपोर्ट प्रस्तुत किए जाने के आधार पर	5		
2	प्रशिक्षु शिक्षक द्वारा तैयार समग्र शिक्षण योजना	10		
3	समग्र शिक्षण योजना के अनुरुप अध्यापन कार्य तथा उसमें आवश्यकतानुसार परिवर्तन	10		
4	क्षा व शाला में प्रशिक्षु शिक्षक का व्यवहार एवं भागीदारी तथा बच्चों की समझ के विषय में प्रशिक्षु द्वारा लिखे गए रिफ्लेक्टिव डायरी के आधार पर।	10		
5	बच्चों के खेल, सामुदायिक सहभागिता, विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के साथ किया गया कार्य के सम्बन्ध में प्रशिक्षु से चर्चा एवं प्रतिवेदन के आधार पर	15		
योग		50		

हस्ताक्षर

शिक्षक प्रशिक्षक/पर्यवेक्षक

C) अध्ययन केन्द्र **स्तर पर मूल्यांकन 50 अंकों के लिए**

यह मूल्यांकन **अध्ययन केन्द्र** पर गठित समिती द्वारा निम्नांकित बिन्दुओं के आधार पर करेंगे–

मूल्यांकन पत्रक–3

1. प्रशिक्षु शिक्षक द्वारा अपने किए गए कार्य का प्रस्तुतीकरणः कुल 20 अंक

- कार्य की समझ (प्रशिक्षु शिक्षक के शिक्षकीय कार्य) 5 अंक
- बच्चों के बारे में समझ 5 अंक
- बच्चों को सिखाने में शिक्षण योजना का महत्व 5 अंक
- विषय की स्पष्टता (भाषा एवं गणित विषय) 5 अंक

2. प्रशिक्षु शिक्षक से सवाल–जवाब 10 अंक

3. 60 शिक्षण दिवस का कार्य प्रतिवेदन 20 अंक

कुल 50 अंक

समिति के सदस्यों का हस्ताक्षर नाम सहित

1	2	3
हस्ताक्षर		
नाम		

मूल्यांकन हेतु दिशा निर्देश

सम्पूर्ण मूल्यांकन कार्यक्रम के दो खण्ड होंगे

1. सैद्धांतिक विषयों का मूल्यांकन –

- (अ) इस मूल्यांकन हेतु लिखित परीक्षा का आयोजन छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल द्वारा प्रति वर्ष दो बार किया जावेगा। सैद्वांतिक विषयों के मूल्यांकन अंतर्गत सभी विषयों में सत्रीय कार्य भी रखें गए है। सत्रीय कार्यों का मूल्यांकन अध्ययन केन्द्र में ही संबंधित विषय के स्रोत व्यक्तियों द्वारा किया जावेगा।
- (ब) मूल्यांकन उपरांत मूल्यांकित सत्रीय कार्य केन्द्र में सुरक्षित रखे जावेंगे। तथा केन्द्र द्वारा मांगे जाने पर उन्हें निर्धारित प्रपत्र में उपलब्ध कराएंगे। एस.सी.ई.आर.टी. के निर्देशानुसार आनलाइन प्रविष्टि करेंगे।

2. व्यावहारिक मूल्यांकन– व्यवहारिक मूल्यांकन का उद्देश्य प्रशिक्षार्थियों के कार्यशैली में निरंतर हो रहे सकारात्मक परिवर्तनों को समझना एवं इस समझ के आधार पर उन्हें मद्द करना। अर्थात किसी प्रशिक्षार्थी में सीखने एवं बच्चों तथा अन्य हितग्राही समूह के साथ काम करने के विषय में सोच में बदलाव को स्वीकृति देना। इस खण्ड में आन्तरिक मूल्यांकन तीन हिस्सों में बंटे हुए होंगे

- (अ) प्रधान अध्यापक द्वारा मूल्यांकन – इसके लिए प्रशिक्षार्थी के संस्था में कार्यरत प्रधानाध्यापक द्वारा मूल्यांकन पत्रक 1 में भरे हुए टीप की सहायता लेनी है परन्तु समिति के लिए यह बाध्यकारी नहीं होगा कि प्रधानाध्यापक द्वारा दी गई ग्रेड को अंतिम माने यह प्रशिक्षार्थी के 60 दिवसीय शालेय चिंतन एवं मनन कार्यक्रम के दौरान की गई गतिविधियों का लेखा–जोखा है।
- (ब) अध्ययन केन्द्र पर्यवेक्षक द्वारा मूल्यांकन – मेंटर/पर्यवेक्षक द्वारा 60 दिवसीय शालेय चिंतन एवं मनन कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षार्थी द्वारा किए गए कार्य एवं उन कार्यों में निरंतर अच्छाई लाने का प्रयास तथा समय – समय पर मेंटर द्वारा दिए गए फीड बैक के आधर पर 60 दिवसीय कार्यक्रम में किए गए परिवर्तन की प्रभावशीलता, प्रशिक्षार्थी द्वारा लिखे गए डायरी, अध्ययन योजना इत्यादि आधार होंगे।
- (स) अध्ययन केन्द्र पर मूल्यांकन – यह मूल्यांकन अध्ययन केन्द्र पर गठित समिति द्वारा की जानी है इस मूल्यांकन के समय समिती, प्रशिक्षार्थी द्वारा 60 दिवस के दौरान किए गए सम्पूर्ण कार्यों का लेख जोखा, प्रस्तुतीकरण व प्रशिक्षार्थी की चिंतनशीलता के आधार पर किया जावेगा।

प्रत्येक केन्द्र पर मूल्यांकन हेतु आवश्यकता अनुसार समितियों का गठन किया जावेगा अधिकतम एक केन्द्र पर तीन समिति का गठन किया जावेगा। प्रत्येक समिति में कम से कम तीन सदस्य होंगे इन समितियों की अध्यक्षता क्रमशः केन्द्र प्रभारी, केन्द्र समन्वयक एवं सहायक केन्द्र समन्वयक द्वारा किया जावेगा। अध्यक्ष कि अतिरिक्त समिति के शेष दो सदस्य अध्ययन केन्द्र के प्रशिक्षित स्त्रोत व्यक्ति होना चाहिए। समिति द्वारा एक दिन में 20 से अधिक प्रशिक्षार्थियों का मूल्यांकन नहीं किया जावेगा। प्रत्येक प्रशिक्षार्थी द्वारा किए गए कार्य को समझने के लिए पर्याप्त समय दिया जावेगा।

मूल्यांकन कर सभी मूल्यांकन पत्रकों को सीलबन्द कर केन्द्र प्रभारी अपने पास रखेंगे तथा बोर्ड द्वारा मांगे जाने पर उन्हें निर्धारित प्रपत्र में उपलब्ध कराएंगे। पूर्ण गोपनीयता के साथ एस.सी.ई.आर.टी. के निर्देशानुसार आनलाइन प्रविष्टि करेंगे।

****